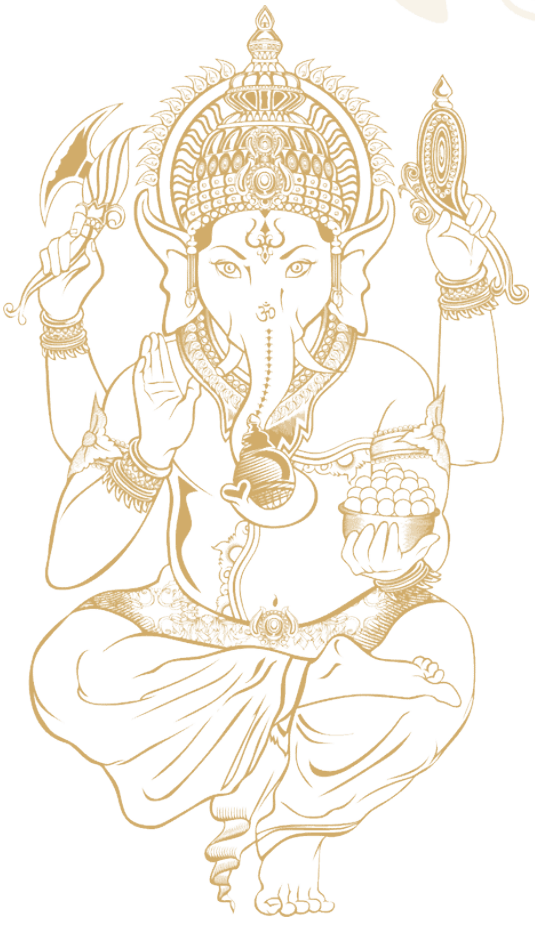

Mr.rahul

Rajshri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119636208

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/04/1994	जन्म तिथि	11-12/11/2001
सोम-मंगलवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 06:07:00	जन्म समय	02:20:00 घंटे
घटी 59:56:09	जन्म समय(घटी)	49:07:58 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:08:32	सूर्योदय	06:40:48
18:40:25	सूर्यास्त	17:29:25
23:46:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:40

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 6वर्ष 10मा 15दि	19:48:10	मीन	लग्न	सिंह	27:59:52	चन्द्र 9वर्ष 9मा 4दि
राहु	21:13:22	मीन	सूर्य	तुला	25:39:10	राहु
19/02/2008	14:09:56	मक	चंद्र	कन्या	10:18:59	17/08/2018
18/02/2026	28:38:15	कुंभ	मंगल	मक	16:39:46	17/08/2036
राहु 01/11/2010	28:45:37	कुंभ	बुध	तुला	12:24:31	राहु 29/04/2021
गुरु 27/03/2013	18:59:53	तुला व	गुरु व	मिथु	21:40:18	गुरु 23/09/2023
शनि 01/02/2016	10:11:17	मेष	शुक्र	तुला	10:15:50	शनि 30/07/2026
बुध 20/08/2018	13:58:27	कुंभ	शनि व	वृष	19:18:24	बुध 15/02/2029
केतु 08/09/2019	00:49:53	वृश्चि व	राहु व	मिथु	03:54:57	केतु 06/03/2030
शुक्र 07/09/2022	00:49:53	वृष व	केतु व	धनु	03:54:57	शुक्र 06/03/2033
सूर्य 02/08/2023	02:16:59	मक	हर्ष	मक	27:05:32	सूर्य 28/01/2034
चन्द्र 31/01/2025	29:27:16	धनु	नेप	मक	12:17:14	चन्द्र 30/07/2035
मंगल 18/02/2026	03:57:42	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	20:16:28	मंगल 17/08/2036

लग्न-चलित

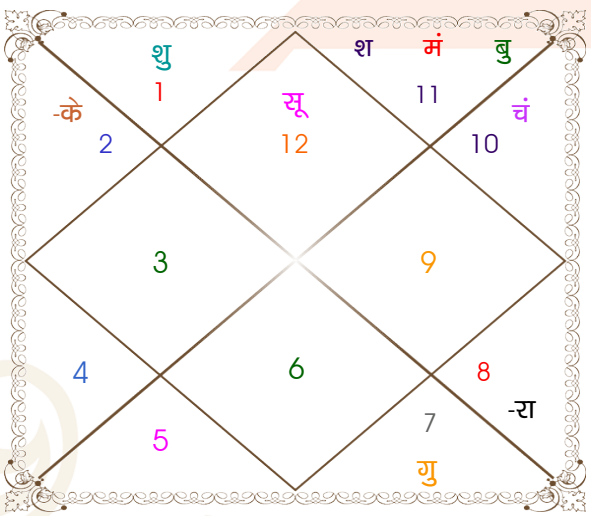

लग्न-चलित

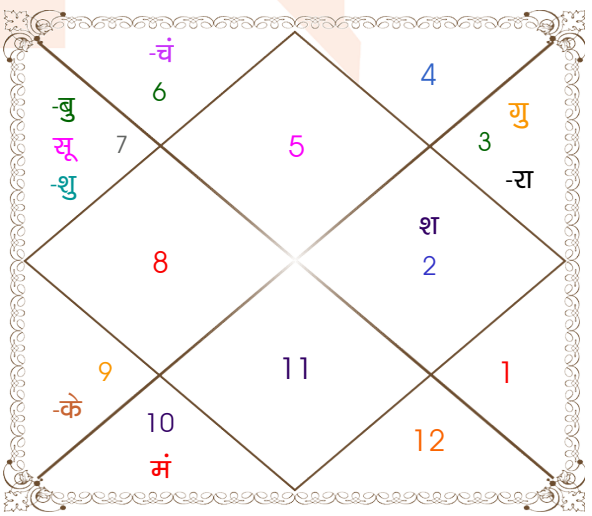

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.rahul का वर्ग मार्जार है तथा Rajshri का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.rahul और Rajshri का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.rahul मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

Rajshri मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Rajshri कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.rahul तथा Rajshri में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।